इतनी शौहरत ना दे कहीं बहक ना मैं जाऊँ भजन लिरिक्स

इतनी शौहरत ना दे,
कहीं बहक ना मैं जाऊँ,
चाहता हूँ तेरी चौखट,
कुछ और ना मैं चाहूँ।bd।

तर्ज – दिलदार कन्हैया ने।
तर्ज – बचपन की मोहब्बत को।

फूलों के ये हार प्रभु,
अभिमान न बन जाए,
खुशबु से अत्तर की कहीं,
मन ना ये बहक जाए,
ये मन बड़ा चंचल है,
कहीं इनमें न फँस जाऊँ,
चाहता हूँ तेरी चौखट,
कुछ और ना मैं चाहूँ।bd।

काबिल ही नहीं जिसके,
हमें वो सम्मान दिया,
पहचान हैं दी अपनी,
जग में भी नाम किया,
रहे इतनी कृपा मुझ पर,
सदा प्यार तेरा पाऊँ,
चाहता हूँ तेरी चौखट,
कुछ और ना मैं चाहूँ।bd।

कहता है 'कमल' मुझको,
इतना ही प्रभु देना,
कुछ माँगा नहीं ज्यादा,
चरणों में जगह देना,
जब तक है मेरी साँसे,
तेरा ही गुण गाऊँ,
चाहता हूँ तेरी चौखट,
कुछ और ना मैं चाहूँ।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

इतनी शौहरत ना दे,
कहीं बहक ना मैं जाऊँ,
चाहता हूँ तेरी चौखट,
कुछ और ना मैं चाहूँ।bd।

गायक – मुकेश बागड़ा।
रचियता – राघव गुप्ता(कमल)
प्रेषक – अनमोल गुप्ता
8800806260

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com